मुख्य परीक्षा

प्रश्न- हाल ही में सरकार द्वारा जारी राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति, 2017 का सामाजिक न्याय के क्षेत्र में महत्व स्पष्ट करते हुए इसका आलोचनात्मक मूल्यांकन भी करें। (200 शब्द)

Critically evaluate the National Health Policy-2017 released by the government, highlighting its importance in the field of Social Justice. (200 Words)

मॉडल उत्तर

उत्तर- भूमिका में निम्न बातों को शामिल किया जा सकता है-

- हाल ही में केन्द्र सरकार द्वारा भारत के समाजवादी लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए लोक स्वास्थ्य के क्षेत्र में, राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति-2017 जैसे नीतिगत व कल्याणकारी पहल की गई है।

विषय वस्तु में-

- स्वास्थ्य जीवन का आधार है, जो समाज के कमजोर वर्गों को सर्वसुलभ नहीं है, को ध्यान में रखते हुए पहली बार स्वास्थ्य नीति का निर्माण हुआ, जो समावेशी का द्योतक है।
- सरकार द्वारा सबका स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में वित्त की समस्या का समाधान करने के लिए निजी क्षेत्र के द्वारा अवसंरचना विकास को संभव बनाया गया है।
- एलोपैथिक के साथ-साथ देश में मौजूद परम्परागत चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार कर चिकित्सा व्यवस्था को कम खर्चीला तथा सर्वसुलभ बनाने का प्रयास किया गया है।
- इस नीति के द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल संक्रमण जैसे रोगों की जाँच को शामिल करके स्वास्थ्य संस्थाओं की उपयोगिता में वृद्धि की गई है।
- स्वास्थ्य सेवाओं का डिजिटलीकरण कर इसमें पारदर्शिता लाने का प्रयास किया गया है।

आलोचनात्मक मूल्यांकन :

- स्वास्थ्य नीति को नागरिक अधिकार नहीं बनाया गया।
- निजी क्षेत्रों के सहयोग से अवसंरचना विकास पर जोर दिया गया, परन्तु विद्यमान स्वास्थ व्यवस्था में सुधार का समुचित प्रयास नहीं किया गया।
- मुफ्त दवा और इलाज के साथ स्वस्थ बने रहने के आवश्यक पहलुओं, जैसे पौष्टिक आहार, स्वच्छता, सकारात्मक जीवन शैली जैसे मुद्दों पर ध्यान नहीं दिया गया।
- बिना संतुलित नियमन के निजी क्षेत्र को बढ़ावा देना स्वास्थ्य सेवाओं को महंगा बनाएगा, जो सामाजिक न्याय जैसे आदर्शों को सीमित करेगा।
- स्वास्थ्य सेवाओं का डिजिटलीकरण तो किया गया, परन्तु समाज का एक बहुत बड़ा वर्ग आज भी डिजिटल डिवाइड का शिकार है, फलतः लाभ सीमित होगा।

अंत में संक्षिप्त व सकारात्मक निष्कर्ष दें।